>

Title: Need to accord special status to the State of Jharkhand for its all round development.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): महोदय, आज मैं सदन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण को सवाल को उठाना चाह रहा हूं कि झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा मिले। झारखंड राज्य के गठन के 11 वर्ष हो चुके हैं। यह स्पष्ट हो चुका है कि झारखंड का कितना विकास हुआ है और कितना नहीं हुआ है, यह देश जानता है और झारखंड की पूरी जनता जानती है।

महोदय, झारखंड को आजादी के पहले भी विकास के दायरे से बाहर रखा गया। आजादी के बाद केंद्र की भाड़ा समानीकरण नीति के कारण झारखंड का विकास नहीं हुआ। यदि झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा मिलता है तो स्थानीय व्यापार को अपने आप को निवेश करने का मौका मिलेगा एवं निजी निवेशकों का रूझान झारखंड में तेजी से बढ़ेगा। झारखंड में कोयला, लौह तथा खनिज का अकूत भंडार है। यह देश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला पहला राज्य है, परंतु यहां की भोली-भाली जनता गरीब एवं बेरोजगार है। यहां की जनता का पलायन हो रही है। नौजवान मुख्यधारा से हटते जा रहे हैं तथा किसी न किसी उग्रवादी संगठन के साथ जुड़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार की कोई खास नीति नहीं है। इस संदर्भ में केंद्र तथा राज्य सरकार की भी कोई नीति स्पष्ट नहीं है। झारखंड प्रांत में अस्सी प्रतिशत गरीब जनता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की संख्या है। यह जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ है तथा यह प्रांत मरूभूमि बना हुआ है। यहां सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां की फसल बरसात के पानी पर निर्भर करती है। यदि पांच साल बारिश नहीं हुयी तो पांच साल तक फसल नहीं होगी।

महोदय, यह कहना गलत नहीं होगा कि इस राज्य की जनता को मौलिक अधिकार है कि जब वह अधिक से अधिक राजस्व देश को देता है, तो वह विशेष राज्य का दर्जा लेने का हकदार है।

महोदय, आप भी अवगत हैं कि अगर उग्रवादी संगठनों के द्वारा एक दिन का भी झारखंड बंद होता है, तो अरबों रूपए का घाटा सरकार को होता है। झारखंड को कृषि और सिंचाई आधारित विकास इबारत लिखने की जरूरत आ पड़ी है।

MR. CHAIRMAN : You have to say what you want from the Government. I request the Members to be very brief.

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, खेती और सिंचाई के विषय पर ध्यान केंद्रित करने से ही गांवों का विकास हो सकेगा और अनाज समस्या दूर हो सकेगी। इसके लिए खाद्यान्न उत्पादन को सरकार के प्रमुख एजेंडे में शामिल किया जाना चाहिए। झारखंड को राज्य आधारित, दीर्घकलीन, खनिज आधारित एवं उद्योग आधारित नीतियों को उचित ढंग से तैयार किया जाए।

महोदय, उक्त परिस्थितियों में झारखंड राज्य के चहुमुखी विकास के लिए उसे विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए आपके माध्यम से हम माननीय प्रधानमंत्री जी और सरकार से मांग करते हैं कि झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, ताकि झारखंड का विकास हो सके, गरीबों का विकास हो सके, वहां के आदिवासी लोगों का विकास हो सके और तमाम जनता का विकास हो सके।